लीडरशिप व्याख्यान में विदेश राज्यमंत्री ने कहा

सुशासन की खातिर ईमानदार नागरिकों का वोट देना जरूरी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय शिक्षा व विदेश राज्य मंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह ने कहा है कि देश का सुशासन तभी सक्रिय होगा, जब प्रत्येक भारतीय नागरिक सत्य, शांति और अहिंसा को अपनायेगा. सुशासन के लिए ईमानदार नागरिकों का वोट देना जरूरी है. यह प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए है. इसके दम पर देश में प्रभावी प्रशासक और सुधारक के रूप में काम किया जा सकता है.

डॉ सिंह सोमवार को आइआइएम रांची द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस के तहत सोमवार को ऑनलाइन व्याख्यान दे रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहभागी को इस आयोजन में शपथ लेनी चाहिए कि हमारे जीवन का मार्गदर्शन करनेवाले नैतिक आदर्श कभी भी धन या बाहुबल से प्रभावित नहीं होंगे. अपनी नैतिक शक्ति को अपनी शारीरिक शक्ति पर विजय प्राप्त करने देना होगा. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी सु-राज पर जोर दिया, जिसका अर्थ अनिवार्य रूप से सुशासन से था. डॉ सिंह ने कहा कि सूचना का अधिकार और ई-गवर्नेंस दो प्रमुख प्रयास हैं, जो भारत में आम आदमी को सशक्त बनाने और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए शुरू किये गये हैं. यह भी कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत (एक भारत, महान भारत) और सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन सुशासन की अवधारणा के बारे में अंतः दृष्टि प्रदान करते हैं.

आइआइएम रांची के ऑनलाइन व्याख्यान में शामिल शिक्षक और विद्यार्थी.

आठ गुणों से मिलेगा सुशासन को बढ़ावा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुशासन को बढ़ावा देने के आठ प्रमुख गुण हैं. इनमें लोकतांत्रिक, सर्वसम्मति से संचालित, जवाबदेह, पारदर्शी, उत्तरदायी, प्रभावी कुशल, न्यायसंगत और समावेशी शामिल हैं. यह कानून के शासन का पालन करता है. आइआइएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आइआइएम रांची के छात्र पूरी दुनिया में परचम लहरा रहे हैं. प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं. प्रो आदित्य शंकर मिश्र ने देश के लिए काम करने की बात कही. प्रो अंगशुमन हजारिका ने प्रश्न-उत्तर सत्र का संचालन किया.

Prabhat Khabar, 28.09.2021, Pg. 09